ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८१२५

बुलेटिन संख्या-५०
दिनांक- मंगलवार, २१ जुलाई, २०२०

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३२.५ एवं २२.७ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८२ प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में ६२ प्रतिशत, हवा की औसत गति १५.० कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण १.४ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन २.५ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २८.२ एवं दोपहर में ३१.७ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में २३८.४ मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(२२-२६ जुलाई, २०२०)

- ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी २२-२६ जुलाई तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-
- पूर्वानुमानित की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में भारी वर्षा की सम्भावना कम है। अनेक स्थानों पर अगले २४-४८ घंटों में मध्यम वर्षा हो सकती है। इसके बाद वर्षा की सक्रियता में कमी आ सकती है, जिसके कारण उत्तर बिहार के जिलों में पूर्वानुमानित अवधि तक कहीं-कहीं हल्की वर्षा हो सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान ३२ से ३४ डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान २४-२६ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में पूरवा हवा चलने का अनुमान है। औसतन १०-१२ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ८५ से ९० प्रतिशत तथा दोपहर में ६५ से ७० प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- पिछले एक-दो दिनों में उतर बिहार में भारी से अतिभारी बर्षा हुई है जिसके कारण खेतों में पानी का जमाव हो गया है। अतः किसान भाई अपने खेतों से पानी के निकास की उचित व्यस्था करे। मौसम पूर्वानुमान की अवधि में वर्षा की संभावना को देखते हुए किसान भाई, धान की रोपाई प्राथमिकता के आधार पर करें। कदवा के समय ३० किलोग्राम नेत्रजन, ६० किलोग्राम स्फुर एवं ३० किलोग्राम पोटाष के साथ २५ किलोगाम जिंक सल्फेट या १५ किलोग्रम प्रति हेक्टर चिलेटेड जिंक का व्यवहार करें।
- धान की फसल में खरपतवार नियंत्रण के लिए रोपाई के २-३ दिन बाद तथा एक सप्ताह के अन्दर ब्यूटाक्लोर (३ लीटर दवा प्रति हेक्टेयर) या प्रीटलाक्लोर (१.५ लीटर दवा प्रति हेक्टर) या पेन्डीमिथेलीन (३ लीटर दवा प्रति हेक्टर) का ५००-६०० लीटर पानी मे घोल बनाकर एक हेक्टर क्षेत्र में छिड़काव मौसम साफ रहने पर ही करें।
- मिर्च का बीज उथली क्यारियों मे गिराये। इसके लिए उन्नत प्रभेद पंत मिर्च-३, कृष्णा, अर्का लोहित, पूसा ज्वाला, पूसा सदाबहार, पंजाब लाल, काशी अनमोल तथा संकर किस्में अग्नि रेखा, कल्याणपुर चमन, कल्याणपुर चमत्कार, बी०एस०एस०-२६७ अनुशंसित है। उन्नत किस्मों के लिए बीज दर १ से १.५ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा २०० से ३०० ग्राम संकर किस्मों के लिए रखें। क्यारियों की चौड़ाई एक मीटर तथा लम्बाई सुविधानुसार ३-४ मीटर रखें। बीज को गिराने से पूर्व थायरम ७५ प्रतिशत दवा से बीजोपचार करें।
- केला की रोपाई करें। उत्तर बिहार में लम्बी किस्मों के लिए अलपान, चम्पा, कंथाली, मालभोग, चिनियाँ, शक्कर चिनियाँ तथा बौनी एवं खाने वाली किस्मों के लिए ग्रैडनेन, रोबस्टा, बसराई, फिआ-१ अनुशंसित है। सब्जी वाली किस्में बतीसा, सावा, बनकेल, कचकेल तथा सब्जी एवं फल दोनों में उपयोग आने वाली किस्में कोठियाँ, मुठियाँ, दुधसागर एवं चकिया अनुशंसित है। लम्बी जातियों में पौधा से पौधा की दुरी २.१ मीटर है एवं बौनी जातियों में १.५ मीटर रखें।
- आम के पौधों की उम्र (१० वर्ष से अधिक) के अनुसार फलन समाप्त होने के बाद अनुशंसित उर्वरको जैसे १५-२० किलोग्राम सड़ी गोबर की खाद, १.२५ किलोग्राम नेत्रजन, ३००-४०० ग्राम फॉसफोरस,१.० किलोग्राम पोटाश, ५० ग्राम बोरेक्स तथा १५-२० ग्राम थाइमेट प्रति पौधा प्रति वर्ष के अनुसार उपयोग करें। जिससे अगले वर्ष पौधे फलन में आ सकें तथा उनका श्वास्थ अच्छा बना रहें।
- लीची के लिए, मई के अन्त में पकने वाली किस्में जैसे देशी, शाही, अर्ली वेदाना, देहरारोज, पूर्वी तथा रोज सेण्टेड, जून के आरंभ में पकने वाली किस्में जैसे- कसवा, सबौर वेदाना, चाईना तथा लेट बेदाना, जून के मध्य में पकने वाली किस्में जैसे- कसैलिया, लौंगिया, स्वर्णरुपा, सबौर मधु, सबौर प्रिया आदि हैं। उपजाऊ मिट्टी में १० ग १० मीटर की दुरी पर पौधों की रोपाई करें।
- वर्षा ऋतु में उमस एवं जलजमाव के कारण बिमारियों जैसे गलघोटु, लंगड़ी बुखार, सर्रा बबेसियोसिस, पी०पी०आर०, दस्त, निमोनिया इत्यादि होने की संभावना बढ़ जाती है। इनसे बचने के लिए टिकाकरण करावें एवं पशुओं को दुषित पानी या बाढ़ के पानी में भिगें चारा या दाना नहीं दें। पशुओं के पैरों को पोटाशियम परमेंगनेट या फिटकीरी के घोल से धोएँ। दुधारु पशुओं को अत्यधिक चारा दाना नहीं दें अन्यथा दस्त होने की संभावना रहती है। गाभीन गाय-भैंसो को खनिज मिश्रण ५० ग्राम प्रतिदिन दें। सर्पदंश से वचने के लिए वाड़े (पशु गृह) में रोशनी की समुचित व्यवस्था करें।

आज का अधिकतम तापमानः २८.८ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ३.९ डिग्री कम	आज का न्यूनतम तापमानः १९.६ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ६.३ डिग्री कम

(डॉ० गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी